कक्षा-12 साहित्यिक हिन्दी

श्री जगन्नाथ दास रत्नाकर

साहित्यिक परिचय

कवि : एक संक्षिप्त परिचय

- **जन्म** – सन् 1866 ई0
- **जन्म-स्थान**- काशी (उ0 प्र0) ।
- **पिता** – पुरुषोत्तमदास ।
- **प्रमुख रचनाएँ** - उद्धव शतक, गंगावतरण । श्रृंगार-लहरी, गंगा लहरी, विष्णु लहरी ।
- **भाषा** – प्रौढ़ साहित्यिक- ब्रजभाषा ।
- **शैली** – चित्रण, आलंकारिक तथा चमत्कारिक शैली ।
- **मृत्यु**–21 जून, सन् 1932 ई0 ।
- **शैली** – चित्रण, आलंकारिक तथा चमत्कारिक शैली ।त्यु–21 जून, सन् 1932 ई0

जगन्नाथ दास रत्नाकर जी का जन्म सन् 1866 ई. में काशी के एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था। वैश्य परिवार में जन्मे रत्नाकर जी के पिता का नाम पुरूषोत्तमदास था। विद्यार्थी काल से ही उर्दू, फारसी भाषा में कवितायें लिखते थे कालांतर में ब्रज भाषा में लिखने लगे। साहित्य सुधानिधि और सरस्वती का सम्पादन तथा रसिक मंडल का संचालन काशी नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना एवं विकास में योगदान दिया।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन तथा चौथी ओरिएंटल कान्फ्रेंस के हिंदी, विभाग के सभापति बनाए गए। इन्होंने अपने काव्य का विषय पौराणिक कथाओं एवं घटनाओं को बनाया है। भक्ति कालीन भावनाओं को रीतिकालीन अलंकार पद्धति में अभिव्यक्ति किया है। कला पक्ष मैं भी मैं जितनी, उतनी भाव

पक्ष सफलता प्राप्त हुई। साहित्य की सेवा में तत्पर हरिद्वार में 21 जून सन 1932 ई0 को पंचतत्व में लीन हो गए।

कृतियाँ-

जगन्नाथ जी द्वारा रचित कुछ प्रमुख कृतियाँ इस प्रकार हैं-

- उद्धव शतक
- गंगावतरण
- श्रृंगार लहरी
- गंगालहरी
- विष्णु लहरी
- रत्नाष्टक